हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नैनी प्रयागराज

पंच दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार सीरीज–भारतीय इतिहास,विरासत, संस्कृति, व्यंजन और हस्तकला

रिपोर्ट

प्रथम दिन (16/06/2020)

विषय;– भारतीय इतिहास

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महा वद्यालय के एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब के तत्वाधान में पांच दिवसीय राष्ट्रीय वैद्यनाथ सीरीज का आज **(16/6/20)** शुभारंभ हुआ| मुख्य अति थ के रुप में माननीय निदेशक उच्च शक्षा डॉ वंदना शर्मा की गरिमामय उपस्थिति रही| निदेशक महोदया ने अपने उद्बोधन में भारतीय संस्कृति की वलुप्त होती परंपरिक कलाओं व संस्कारों के संरक्षण उन्नयन व प्रचार-प्रसार में महा वद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर शील प्रय त्रिपाठी तथा एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब की नोडल अ धकारी डॉ नीतू संह की सराहना करते हुए कार्यक्रम के सफल संचालन की शुभकामनाएं दी|ज्ञात हो क पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार की महत्वकांक्षी योजना" देखो अपना देश" के लक्ष्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से दिनांक 16 से 20 जून महा वद्यालय के" एक भारत श्रेष्ठ भारत"क्लब के तत्वाधान में राष्ट्रीय वेबीनार सीरीज जिसका वषय "भारतीय इतिहास, वरासत, कला संस्कृति ,व्यंजन तथा हस्तकला" है काआयोजन कया जा रहा है |आज का वषय भारतीय इतिहास रहा ,जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर जीनत जैदी ,प्राचार्य राजकीय महा वद्यालय बीबी नगर बुलंदशहर तथा डॉ कशोर कुमार वभागाध्यक्ष इतिहास वभाग,कुमारी मायावती राजकीय महा वद्यालय बादलपुर गौतम बुध नगर की उपस्थिति रही| एक तरफ जहां डॉ कशोर कुमार ने प्राचीन और आधुनिक भारत के इतिहास की गौरवमई गाथा की प्रस्तुति दी वहीं प्रोफेसर जीनत जैदी ने मध्य भारत के वैभवशाली इतिहास पर सारग र्भत व्याख्यान से प्रतिभा गयों को लाभान्वित कया| zoom प्लेटफार्म के माध्यम से भारत के 7 राज्यों से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, मेघालय, बिहार ,झारखंड, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के प्रतिभा गयो ने प्रतिभाग कया और साथ ही भारतीय संस्कृति और इतिहास के प्रचार प्रसार के लए वेबीनार का लाइव प्रसारण यूट्यूब पर भी कया जा रहा है| एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के अंतर्गत महा वद्यालय से paired कॉलेज स्नैप सइम महा वद्यालय मौकेवत, मेघालय के प्राचार्य प्रो. एस एस कौनक लया ने अपने सारग र्भत व्याख्यान में मेघालय की प्राचीन सभ्यता व संस्कृति से परिचय करवाया| प्रथम दिन के कोऑ र्डनेटर डॉ महेंद्र प्रसाद ने सभी वक्ताओं का परिचय करवाया तथा आभार ज्ञापन नोडल अ धकारी डॉ नीतू संह ने कया| उक्त वेबीनार में एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब के आयोजन स मति के सदस्य डॉ संदीप,डॉ सुरेश पटेल, डॉ नीति संह, डॉ आरके संह सहित पूरा महा वद्यालय परिवार उपस्थित रहा |

दूसरा दिन (17/06/2020)

विषय;— भारतीय विरासत विविधता में एकता

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महा वद्यालय नैनी प्रयागराज के एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार जिसका वषय "भारतीय इतिहास वरासत कला संस्कृति व्यंजन और हस्तकला है" के दूसरे दिन (17/06/2020) का वषय "भारतीय वरासत व वधता में एकता"रहा। मुख्य अति थ के रुप में उपस्थित माननीय संयुक्त निदेशक उच्च शक्षा डॉ राजीव पांडे ने भारत की अनेक प्राचीन परंपराएं और संस्कृति की महत्ता पर बोलते हुए उसके संरक्षण और उन्नयन के कार्य में महा वद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर शील प्रय त्रिपाठी और नोडल अ धकारी डॉ नीतू संह की भू मका की सराहना करते हुए वेबीनार की सफलता की शुभकामनाएं दीद्य प्रो शील प्रय त्रिपाठी ने प्राचीन भारतीय सनातन परंपरा की व्याख्या बहुत ही सरल शब्दों में कीद्यमुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित भूगर्भ शास्त्री लखनऊ वश्व वद्यालय के प्रो ध्रव सेन संह ने कहा क पर्यावरण संरक्षण भारतीय संस्कृति का प्राचीन समय से हिस्सा रहा है वकास की अंधाधुंध दौड़ में मनुष्य ने इसे नजरअंदाज कया जिसका परिणाम आज हम सबके सामने हैं। दूसरे वक्ता के रूप में उपस्थित केंद्रीय वश्व वद्यालय झारखंड के प्रोफेसर वभूति भूषण वश्वास ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की संस्कृति और परंपरा पर वस्तार से व्याख्यान दिया। डॉ धीरेंद्र कुमार व भन्न भारतीय कलाकृतियों पर वस्तार से व्याख्यान दिया। आज के कोऑ र्डनेटर डॉ सुरेश पटेल ने सभी अति थयों का स्वागत और धन्यवाद ज्ञा पत कया। इस अवसर पर आयोजन स मति के सभी सदस्य डॉ महेंद्र प्रसाद ,डॉ संदीप कुमार ,डॉ नीति संह , डॉ आर के संह सहित पूरा महा वद्यालय परिवार उपस्थित रहा ।

तीसरा दिन (18/06/2020)

विषय;— भारतीय कला और संस्कृति

"देखो अपना देश " वेबीनार सीरीज के अंतर्गत हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महा वद्यालय नैनी प्रयागराज में "एक भारत श्रेष्ठ भारत "के तत्वाधान में आयोजित कए जा रहे पांच दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार सीरीज के तीसरे दिन (18/06/2020) का वषय "भारतीय कला और संस्कृति" रहा जिसमें मुख्य अति थ के रूप में संयुक्त निदेशक उच्च शक्षा, डॉ हीरेंद्र प्रताप संह की गरिमामय उपस्थिति रही । माननीय संयुक्त निदेशक ने भारतीय संस्कृति और परंपराओं की महत्ता को वर्तमान समय में प्रासं गक बताते हुए इसके संरक्षण और उन्नयन के लए सभी से आव्हान कया और इस कार्य में महा वद्यालय के प्राचार्य प्रो शील प्रय त्रिपाठी, नोडल अ धकारी डॉ नीतू संह सहित पूरी आयोजन स मति को बधाई और शुभकामनाएं प्रे षत की । प्राचार्य ने कहा की भारतीय कला मानवीय भावनाओं से युक्त है और मानवता का संदेश प्रसारित करती है । उक्त वषय के प्रतिष्ठित वक्ता प्रो शव भानु संह , इ वंग क्रश्चियन कॉलेज प्रयागराज ने मानवीय गुण त्याग प्रेम अहिंसा को भारतीय संस्कृति में रचा बसा बताया और इसका अत्यंत ही मनोहारी चत्र प्रस्तुत कया प्रो राजेश गर्ग , केंद्रीय वश्व वद्यालय इलाहाबाद ने भारतीय संस्कृति के मूर्त और अमूर्त पक्ष का अद् वतीय चत्रण कया और वेबीनार के माध्यम से मानवता की चंता और चंतन करने का आव्हान सभी भारतीयों से कया। महा वद्यालय के समाजशास्त्र वभागाध्यक्ष डॉ ए के झा ने भौगो लक स्थिति का भारतीय संस्कृति पर प्रभाव वषय पर अपना सारग र्भत व्याख्यान दिया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ नीतू संह ने कया और कार्यक्रम का संचालन डॉ आर के संह ने कया। आयोजन स मति के सभी सदस्य डॉ संदीप डॉ सुरेश पटेल डॉ महेंद्र प्रसादडॉ नीति संह सहित पूरा महा वद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

चौथा दिन (19/06/2020)

विषय;— पारम्परिक भारतीय ब्यन्जन

देखो अपना देश वेबीनार सीरीज के अंतर्गत हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महा वद्यालय के एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब के तत्वाधान में पांच दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार सीरीज के अंतर्गत आज चौथे दिन (19/06/2020)_का वषय भारतीय पारंपरिक व्यंजन रहा। नोडल अ धकारी डॉ नीतू संह ने सभी अति थयों का स्वागत व वषय की महत्ता संक्षेप में बताई , तत्पश्चात सत्र की अध्यक्षता कर रहे महा वद्यालय के प्राचार्य प्रो शील प्रय त्रिपाठी ने भारतीय पारंपरिक व्यंजन को पोषण और स्वास्थ्य से भरपूर बताते हुए भारतीय पारंपरिक पाक व धयों के महत्व पर प्रकाश डाला। एस एस महा वद्यालय मेघालय, के उप प्राचार्य डॉ कनटयुकुपार ने मेघालय के ग्रामीण खासी भोजन की वशेषताएं एवं प्रकार बताई तथा को वड-19 के परिप्रेक्ष्य में पारंपरिक खासी भोजन कस प्रकार उपयोगी है पर चर्चा की। प्रयागराज की यूट्यूबर रीना संह ने पारंपरिक उत्तर भारतीय भोजन व अव ध पाक कला व ध लाइव प्रद र्शत की । महा वद्यालय की डॉ रफत अनीस ने पारंपरिक भारतीय भोजन की व धयों का स वस्तार वर्णन कया । कार्यक्रम का संचालन डॉ नीति संह ने कया । इस अवसर पर आयोजन स मति के सभी सदस्य डॉ महेंद्र प्रसाद] डॉ संदीप , डॉ आर के संह]डॉ सुरेश पटेल सहित पूरा महा वद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

पॉचवा दिन (20/06/2020)

विषय;– भारतीय संस्कृति का दर्पण–पारम्परिक हस्त कला

हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महा वद्यालय नैनी प्रयागराज के" एक भारत श्रेष्ठ भारत "क्लब के तत्वाधान में आयोजित कए जा रहे पांच दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार के अंतिम दिन (20/06/2020)_का वषय "भारतीय संस्कृति का दर्पण पारंपरिक हस्तकला"रहा । नोडल अ धकारी डॉ नीतू संह ने सभी अति थयों का स्वागत करते हुए वषय का सं क्षप्त परिचय देते हुए कहा भारत की बहुआयामी, बहुमुखी संस्कृति देश का बहूमान है , और हम सबको अपनी गौरवशाली संस्कृति के संरक्षण और उन्नयन में सहयोग करना है। मुख्य अति थ के रुप में माननीय संयुक्त स चव , उच्च शक्षा उत्तर प्रदेश , डॉ अ मत भारद्वाज की गरिमामय उपस्थिति रही। आपने भारतीय हस्त शल्प के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए हस्तकला को भारतीय संस्कृति का दर्पण बताया और महा वद्यालय के प्राचार्य प्रो शील प्रय त्रिपाठी के संरक्षण में आयोजित कए जा रहे राष्ट्रीय वेबीनार की कन्वीनर डॉ नीतू संह और आयोजन स मति द्वारा पारंपरिक भारतीय कला और संस्कृति के उन्नयन व संरक्षण की दिशा में कए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए सभी से स्वदेशी अपनाने का आह्वान कया। प्राचार्य महोदय ने महात्मा गांधी के आदर्शों पर चलने का आह्वान करते हुए खादी को अपनाने का संदेश दिया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित वसंत कन्या महा वद्यालय वाराणसी की प्रो संगीता दियोदिया ने प्राचीन से लेकर आधुनिक भारत के हथकरघा कपड़े की महत्व और वशेषताओं पर अद् वतीय व्याख्यान दिया। अन्य वक्ता राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान पटना बिहार के डॉ सत्येंद्र मश्र ने व भन्न प्राचीन भारतीय हैंडीक्राफ्ट जिसमें मुख्यतः राक, जूट, टेराकोटा एवं मुंज क्राफ्ट आदि का वस्तार पूर्वक मनोहारी चत्रण प्रस्तुत करते हुए भारतीय हस्तकला के संरक्षण पर वशेष बल दिया। प्रयाग महिला वद्यापीठ की प्राचार्य प्रोफेसर जूही शुक्ला ने भारतीय कला के महत्व पर संक्षेप में प्रकाश डाला। उक्त कार्यक्रम में आयोजन स मति के सभी सदस्य डॉ महेंद्र प्रसाद , डॉ संदीप ,डॉ सुरेश पटेल , डॉ आर के संह , डॉ नीति संह सहित पूरा महा वद्यालय परिवार उपस्थित रहा । पॉच दिन के कार्यक्रम की आख्या डॉक्टर सुरेश पटेल ने प्रस्तुत की

प्रोफेसर शीलप्रिय त्रिपाठी
प्राचार्य

डॉ0 नीतू सिंह
नोडल अधिकारी –EBSB